इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
(अमरकंटक, मध्यप्रदेश–484887)

हिंदी विभाग

हिंदी अध्ययन मण्डल

डॉ. [illegible]
सहायक प्रोफेसर
हिन्दी विभाग
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
अमरकंटक, मध्यप्रदेश-484887

17.12.19

बी.ए. हिंदी साहित्य पाठ्यक्रम
सेमेस्टर प्रणाली (सी.बी.सी.एस.) वर्ष 2019–2020 से प्रभावी

चयन आधारित क्रेडिट सिस्टम स्नातक हिंदी पाठ्यक्रम का विज़न

प्रस्तुत पाठ्यक्रम की संरचना का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रस्तावित सी.बी.सी.एस. (चयन आधारित क्रेडिट सिस्टम) शिक्षण–अधिगम प्रणाली पर केन्द्रित है। जिसमें सी.बी.सी.एस. के लक्ष्य को केन्द्रित करते हुए इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के विज़न को समाहित किया गया है।

प्रस्तुत हिंदी साहित्य का पाठ्यक्रम पारंपरिक हिंदी साहित्य के अध्ययन के साथ–साथ उसके क्रमिक विकास की प्रक्रिया को समझने में मद्दगार साबित हो सकता है। इसी के साथ यह पाठ्यक्रम साहित्य के अंतरविषयक ज्ञान के व्यापक फलक को अपने कलेवर में समाहित करता है।

प्रस्तुत पाठ्यक्रम साहित्य और समाज के विकास की अवधारणा को रेखांकित करते हुए समाज और साहित्य के समसामयिक विमर्श को भी वैज्ञानिक–वस्तुनिष्ठ दृष्टि से अवलोकन के लिए शिक्षार्थी को तैयार करता है। जिससे शिक्षार्थी न केवल अपने कौशल को संवर्द्धित कर सकते हैं बल्कि अपने अनुशासनात्मक ज्ञान को भी परिष्कृत एवं परिमार्जित कर सकते हैं और अपने जीवन को सार्थक एवं रोजगारोन्मुख बना सकते हैं।

17.12.19

15.12.19

17.12.19

17/12

17/12/19

17/12/19

पाठ्यक्रम निर्माण समिति
हिंदी विभाग
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय
जनजातीय विश्वविद्यालय

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
(अमरकंटक, मध्यप्रदेश–484887)
हिंदी विभाग
बी.ए. हिंदी

हिंदी कोर पाठ्यक्रम					
सेमेस्टर	प्रश्नपत्र क्रम	कोर्स कोड	प्रश्नपत्र का नाम	क्रेडिट	पूर्णांक
1	1	UG_HLCC01	हिंदी साहित्य का इतिहास	6	100
2	2	UG_HLCC02	हिंदी कविता	6	100
3	3	UG_HLCC03	साहित्यशास्त्र एवं आलोचना	6	100
4	4	UG_HLCC04	हिंदी गद्य साहित्य	6	100
कौशल संवर्द्धक ऐच्छिक हिन्दी पाठ्यक्रम					
3	5	UG_HLSEC01	कम्प्यूटर सोशल मीडिया और हिन्दी	4	100
4	6	UG_HLSEC02	भाषा समाज और संस्कृति	4	100
5	7	UG_HLSEC03	कार्यालयी हिन्दी और भाषा दक्षता	4	100
6	8	UG_HLSEC04	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा	4	100
अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक हिन्दी					
5	9	UG_HLDSE01 UG_HLDSE02	हिन्दी में अनुवाद की प्रक्रिया और वैश्विक हिन्दी **अथवा** आदिवासी कला, संस्कृति एवं समाज	6	100
6	10	UG_HLDSE03 UG_HLDSE04	समकालीन अस्मितामूलक विमर्श **अथवा** लोक साहित्य	6	100
			कुल क्रेडिट	52	1000

17.12.2019 17.12.19 17/12/19 17.12.19 17/12

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (मध्यप्रदेश)
शैक्षणिक सत्र– 2019–20 से प्रभावी
स्नातक– हिंदी साहित्य (बी.ए. पाठ्यक्रम, सी.बी.सी.एस., सेमेस्टर प्रणाली)

सत्र 2019–20 से चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली स्नातक हिंदी पाठ्यक्रम में लागू की गई है। प्रत्येक सेमेस्टर में 60 अंकों की बाह्य मूल्यांकन परीक्षा एवं 40 अंकों की आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा होगी।

बाह्य प्रश्नपत्रों का अंक विभाजन

खण्ड (क) – वस्तुनिष्ठ / लघुउत्तरीय प्रश्न– 10×01=10
खण्ड (ख)– दीर्घउत्तरीय प्रश्न– 10×05=50

कुल पूर्णांक = 60

व्याख्या वाले प्रश्नपत्रों का अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा–

खण्ड (क)– वस्तुनिष्ठ / लघुउत्तरीय प्रश्न– 10×01=10
खण्ड (ख)– व्याख्यात्मक प्रश्न– 05×02=10
खण्ड (ग)– दीर्घउत्तरीय प्रश्न– 10×04=40

कुल पूर्णांक = 60

आंतरिक मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन का अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा–

प्रथम और द्वितीय आंतरिक परीक्षा–	10
मौखिकी–	10
अधिन्यास–	10
उपस्थिति–	10

कुल पूर्णांक = 40

हिंदी अध्ययन मंडल में उपस्थित सदस्यगण

प्रो. रेनू सिंह 17/12/2019 प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक(म.प्र.)	प्रो. आर.एस. सर्राजु आचार्य, हिंदी विभाग हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद
प्रो.तीर्थेश्वर सिंह 17.12.19 आचार्य,हिंदी विभाग इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक(म.प्र.)	17.12.19 प्रो. श्रवण कुमार मीणा प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर (राजस्थान)
17.12.19 डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक(म.प्र.)	प्रो. खेमसिंह डहेरिया 17/12/19 आचार्य,हिंदी विभाग इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक(म.प्र.)
डॉ. प्रमोद कुमार 17/12/19 सहायक प्रोफेसर, भाषा विज्ञान विभाग इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक(म.प्र.)	17.12.2019 डॉ. प्रवीण कुमार सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक(म.प्र.)

अध्ययन मंडल के अध्यक्ष को अधिकृत किया जाता है कि यदि इस पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन में कोई बाधा उत्पन्न हो रही हो तो विभागीय एवं स्थानीय सदस्यों के साथ बैठक कर उचित निर्णय लिया जा सकता है।

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या : UG_HLCC01 पाठ्यक्रम : **हिंदी साहित्य का इतिहास**

सेमेस्टर– 01 क्रेडिट : 6 पूर्णांकः 100

नोट– इस पाठ्यक्रम में इतिहास दर्शन, इतिहास और साहित्य के संबंध, साहित्येतिहास दर्शन के साथ–साथ साहित्य का काल विभाजन प्रवृत्तियों संवेदनाओं का आलोचनत्मक अध्ययन अपेक्षित है।

इकाई – (1) आदिकाल

(क) आदिकाल का नामकरणः समस्याएं एवं संभावनाएं
(ख) आदिकाल की पृष्ठभूमि (सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक और साहित्यिक)
(ग) आदिकाल की परिस्थितियां एवं प्रवृत्तियां
(घ) सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, लौकिक साहित्य

इकाई– (2) भक्तिकाल

(क) भक्ति और भक्ति आंदोलनः उदय, पृष्ठभूमि (सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक और साहित्यिक) एवं अखिल भारतीय स्वरूप
(ख) भक्ति आंदोलन की दार्शनिक विचारधाराएं
(ग) भक्तिकाल की धाराएं एवं प्रवृत्तियां– निर्गुण धारा और सगुण धारा
(घ) भक्तिकाल के प्रमुख कविः रचनाएं और उनकी साहित्य की संवेदनाएं

इकाई–(3) रीतिकाल

(क) रीतिकाल का नामकरण
(ख) रीतिकाल की युगीन पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियां (सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक और साहित्यिक)
(ग) रीतिकालीन काव्यधाराएं एवं प्रवृत्तियां
(घ) रीतिकालीन प्रमुख कविः रचनाएं और उनकी साहित्य की संवेदनाएं

इकाई–(4) आधुनिकता और भारतीय नवजागरण की अवधारणा

नवजागरणः परिस्थितियां और आंदोलन(राजाराम मोहन राय, दयानंद सरस्वती, ज्योतिबा फुले) नवजागरणः भारतेंदुयुग, भारतेंदुयुगीन साहित्य की प्रवृत्तियां, खड़ीबोली आंदोलनः महावीर प्रसाद द्विवेदी, द्विवेदीयुगीन साहित्य की प्रवृत्तियां, स्वाधीनता आंदोलनः राष्ट्रीय चेतना, समाज, संस्कृति और साहित्य

इकाई–(5) (क) आधुनिककाल : काव्य अनुशीलन

छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन एवं समसामयिक कविता

(ख) **आधुनिककाल : गद्य अनुशीलन**

कथा साहित्य : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध तथा अन्य गद्य साहित्य रूप

12.12.19 12.12.19 12.12.19 12.12.19 12.12.19

सहायक ग्रंथः

- हिंदी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य की भूमिका– हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्यः उद्‌भव और विकास– हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास– रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य का अतीत– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- हिंदी साहित्य का इतिहास– सं. नगेन्द्र
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास– बच्चन सिंह
- इतिहास क्या है– ई.एच.कार
- हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– रामकुमार वर्मा
- हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास– गणपतिचंद्र गुप्त
- हिंदी साहित्य का सरल इतिहास– विश्वनाथ त्रिपाठी
- हिंदी साहित्य का आदिकाल– हजारीप्रसाद द्विवेदी
- साहित्य का इतिहास दर्शन– नलिन विलोचन शर्मा
- साहित्य का इतिहास दर्शन– जगदीश्वर चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य का आधा इतिहास– सुमन राजे
- रामचंद्र शुक्ल– हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी
- हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास,
- हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिन्दी साहित्य की भूमिका
- रामविलास शर्मा– भारतेंदु युग और हिन्दी भाषा की परंपरा
- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– हिन्दी साहित्य का अतीत
- प्रेमशंकर– भक्तिकाव्य की भूमिका
- के. दोमोरान – भारतीय चिंतन परम्परा
- शिवकुमार मिश्र – भक्तिकाव्य और लोकजीवन
- गोविन्द त्रिगुणायत – कबीर की विचारधारा
- मैनेजर पाण्डेय – भक्ति आंदोलन और सूरदास
- रामविलास शर्मा– भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ
- रामविलास शर्मा– महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
- मैनेजर पाण्डेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि
- नंददुलारे वाजपेयी– हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी
- विश्वनाथ त्रिपाठी– हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास
- रामस्वरूप चतुर्वेदी– हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास
- नामवर सिंह – कविता के नये प्रतिमान
- देवीशंकर अवस्थी– विवेक के रंग

17.12.19 17.12.19 17.12.19 17.12.19 17.12.19

- ओमप्रकाश वाल्मीकि– दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
- राजेन्द्र यादव / अर्चना वर्मा, सं.– अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य,
- महादेवी वर्मा– श्रृंखला की कड़ियाँ
- बच्चन सिंह – हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास
- श्यौराज सिंह बेचैन / देवेन्द्र चौबे, सं.– चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य
- विजयेन्द्र स्नातक– हिन्दी साहित्य का इतिहास
- जयप्रकाश कर्दम– इक्कीसवीं सदी में दलित आंदोलन (साहित्य एवं समाज चिंतन)
- मोहनदास नैमिशराय – हिंदी दलित साहित्य

17.12.19

17.12.19

17.12.19

17.12.19

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या : UG_HLCC02 पाठ्यक्रम : **हिन्दी कविता**

सेमेस्टर– 02 क्रेडिट 06 : पूर्णांकः 100

नोटः इस पाठ्यक्रम में निर्धारित रचना और रचनाकार की काव्य दृष्टि का आलोचनात्मक अध्ययन अपेक्षित है।

इकाई–1 आदिकाल : अमीर खूसरो सं: परमानंद पांचाल

(1) बहुत कठिन है डगर पनघट की
(2) छाप तिलक मोहे
(3) गीरो सोवै सेज पर
(4) सेज सूनी देख के

इकाई–2 भक्तिकाल : (कबीर, जायसी, सूर, तुलसी, मीराबाई)

(क) कबीर : कबीर ग्रंथावली– श्याम सुंदरदास लोकभारती प्रकाशन नई दिल्ली

पद : (1) बालम आब हमारे गेह रे

(2) काहे रे नलिनी

साखीः– साँच को अंग – 2, 16

विरह को अंग –2, 3

(ख) मलिक मोहम्मद जायसी– पद्मावत– जायसी– पं. रामचन्द्र शुक्ल बारहमासा

(ग) सूरदास– भ्रमरगीत सार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

पद : 23, 64, 76, 85

(घ) तुलसीदास– रामचरितमानस (उत्तरकाण्ड) गीता प्रेस गोरखपुर

(दोहा– 108 से 112 तक)

(ड.) मीरा बाई को पदावली सं. विश्वनाथ त्रिपाठी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

(प्रारम्भ से 5 पद.....)

इकाई–3 (क) बिहारी– बिहारी रत्नाकार सं. जगन्नाथदास रत्नाकर शिवाला, वाराणसी

मेरी भव बाधा हरौ, बतरस लालच लाल की

(ख) घनानन्द – घनानन्द ग्रंथावली, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र वाणी विज्ञान वाराणसी

17.12.19 17.12.19 17.12.19 17.12.19 17.12.19 17.12.19

1 से 5 कवित्त

इकाई–4 (क) मैथिली शरण गुप्त–(भारत भारती

(ख) जयशंकर प्रसाद – अरूण यह मधुमय देश, ले चल मुझे भुलावा देकर

(ग) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला– जागो फिर एक बार, भिक्षुक

(घ) सुमित्रानन्दन पंत– नौका विहार, परिवर्तन

(ड.) महादेवी वर्मा – मै नीर भरी दुःख की बदली, जीवन विरह का जलजात

इकाई–5 (i) अज्ञेय – कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप

(ii) नागार्जुन – अकाल और उसके बाद, शासन की बंदूक

(iii) भवानी प्रसाद– गीता फरोश, सतपुड़ा के जंगल

(iv) धूमिल – अकाल दर्शन, मोचीराम

(v) केदारनाथ सिंह – सुई और तागे के बीच में, पानी की प्रार्थना

संदर्भ ग्रंथ :

अमीर खुसरो – भोलानाथ तिवारी

कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी

कबीर मीमांसा – रामचन्द्र तिवारी

भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्यः शिवकुमार मिश्र

भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य– मैनेजर पाण्डेय

त्रिवेणी : रामचन्द्र शुक्ल

भक्ति काव्य की भूमिका– प्रेम शंकर

पद्मावत का मूल्यांकन : डॉ. जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव, डॉ. हरेन्द्र प्रताप सिन्हा

गोस्वामी तुलसी काव्य मीमांसा– उदयभानु सिंह

मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी

पचरंग चोला पहन सखी री : माधव हाडा

बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चन सिंह

बिहारी : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

घनानंद और रचछन्द काव्यधारा– मनोहर लाल गौड.

रीतिकाव्य की भूमिका – नगेन्द्र

सूरदास – रामचन्द्र शुक्ल

प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर

सुमित्रा नंदन पंत – नगेन्द्र

छायावाद – डॉ. नामवर सिंह

आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह

महादेवी : दूधनाथ सिंह

निराला आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह

निराला की साहित्य साधना : ~~दूधनाथ सिंह~~ रामविलास शर्मा

समकालीन हिन्दी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ : रामकली सराफ

समकालीन हिन्दी कविता : तीन दशकः अशोक त्रिपाठी

समकालीनता और साहित्यः राजेश जोशी

17.12.19

17.12.19

17.12.19

17/12

17/12/19

17-12-2019

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या : UG_HLCC03 पाठ्यक्रम : साहित्यशास्त्र एंव आलोचना

सेमेस्टर–3 क्रेडिट : 6 पूर्णांक: 100

इकाई–1 (क) काव्य के लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन

शब्द शाक्ति, काव्य गुण, काव्य दोष

(ख) रस, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण,

इकाई–2 प्रमुख सम्प्रदाय और सिद्धांत

अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, और औचित्य

इकाई–3 (क) प्लेटो, का काव्य सिद्धांत

अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी, विरेचन सिद्धांत

(ख) लौंजाइनस का औदात्य सिद्धांत

कालरिज का कल्पना और फैटेंसी सिद्धांत

इकाई–4 (क) टी. एस. ईलिएट का निवैयक्तिकता का सिद्धांत, परंपरा की अवधारणा

(ख) आई. ए. रिचर्डस मूल्य सिद्धांत, सम्प्रेषण सिद्धांत

इकाई–5 हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास

(क) प्रमुख आलोचक – आचार्य रामचन्द्र, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा, आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी

(ख) समकालीन हिन्दी आलोचना

सहायक ग्रंथ:

नगेन्द्र– रस सिद्धांत

भगीरथ मिश्र– भारतीय काव्यशास्त्र

सत्यदेव चौधरी– भारतीय साहित्यशास्त्र

झारी– काव्यशास्त्र

ग0 त्र्य0 देशपाण्डेय– भारतीय साहित्य–शास्त्र

शंकरदेव अवतरे– रस प्रक्रिया

रामचन्द्र शुक्ल– रसमीमांसा

डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी– भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका

नगेन्द्र– भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका

पाश्चात्य काव्यशास्त्र– देवेन्द्रनाथ शर्मा

पाश्चात्य काव्यशास्त्र– भगीरथ मिश्र

कविता के प्रतिमान– नामवर सिंह

पाश्चात्य साहित्य चिंतन– निर्मला जैन

हिंदी आलोचना के बीज शब्द– बच्चन सिंह

साहित्य की आलोचना– रेनेवेलेक

संरचनावाद–उत्तरसंरचनावाद– गोपीचंद नारंग

रामविलास शर्मा– आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना

नामवर सिंह– दूसरी परंपरा की खोज

नामवर सिंह– इतिहास और आलोचना

मैनेजर पाण्डेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि

मलयज– रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,1987

विश्वनाथ त्रिपाठी– हिन्दी आलोचना

बच्चन सिंह– हिन्दी आलोचना के बीज शब्द

17.12.19

17.12.19

17.12.19

17.12.2019

17/12

17.12.19

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या : UG_HLCC04 पाठ्यक्रम : **हिन्दी गद्य साहित्य**

सेमेस्टर– 04 क्रेडिट 06 : पूर्णांकः 100

नोटः इस पाठ्यक्रम में निर्धारित कृतियों के आधार पर साहित्यकार और उनके युग परिवेश पर चर्चा अपेक्षित है।

इकाई–1 उपन्यास–

प्रेमचंद – गोदान

इकाई–2 कहानी–

चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' उसने कहा था

भीष्म साहनी – चीफ की दावत

यशपाल – परदा

अमरकांत – दोपहर का भोजन

इकाई–3 नाटक एवं एकांकी

भारतेन्दु – अंधेर नगरी

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – बकरी

लक्ष्मी नारायण लाल – व्यक्तिगत (एकांकी)

इकाई–4 निबंध –

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – भारतवर्षोन्नति ~~जाति~~ कैसे हो सकती है

प्रताप नारायण मिश्र – शिवमूर्ति

बालकृष्ण भट्ट – बनाम लार्ड कर्जन

रामचन्द्र शुक्ल – कविता क्या है?

हजारी प्रसाद द्विवेदी – नाखून क्यों बढते हैं

इकाई–5 अन्य गद्य विधाएँ–

हरिशंकर परसाई – भोलाराम का जीव (व्यंग्य)

17.12.19

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या : UG_HLCC04 पाठ्यक्रम : **हिन्दी गद्य साहित्य**

सेमेस्टर– 04 क्रेडिट 06 : पूर्णांक: 100

नोट: इस पाठ्यक्रम में निर्धारित कृतियों के आधार पर साहित्यकार और उनके युग परिवेश पर चर्चा अपेक्षित है।

इकाई–1 उपन्यास–

प्रेमचंद – गोदान

इकाई–2 कहानी–

चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' उसने कहा था

भीष्म साहनी – चीफ की दावत

यशपाल – परदा

अमरकांत – दोपहर का भोजन

इकाई–3 नाटक एवं एकांकी

भारतेन्दु – अंधेर नगरी

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – बकरी

लक्ष्मी नारायण लाल – व्यक्तिगत (एकांकी)

इकाई–4 निबंध –

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है

प्रताप नारायण मिश्र – शिवमूर्ति

बालकृष्ण भट्ट – बनाम लार्ड कर्जन

रामचन्द्र शुक्ल – कविता क्या है?

हजारी प्रसाद द्विवेदी – नाखून क्यों बढते हैं

इकाई–5 अन्य गद्य विधाएँ–

हरिशंकर परसाई – भोलाराम का जीव (व्यंग्य)

महादेवी वर्मा – ठकुरी बाबा (जीवनी)

अज्ञेय – अरे यायावर रहेगा याद संस्मरण)

संदर्भ ग्रंथः–

गोपालराय – गोदान नया परिप्रेक्ष्य

गोपालराय – हिन्दी उपन्यास का इतिहास

रामविलास शर्मा – प्रेमचंद और उनका युग

गोपालराय – हिन्दी कहानी का इतिहास

मधुरेश – हिन्दी कहानी का विकास

देवी शंकर अवस्थी – नयी कहानी; संदर्भ और प्रकृति

नामवर सिंह – कहानी नई कहानी

दशरथ ओझा – हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास

बच्चन – हिन्दी नाटक

गिरीश रस्तोगी – हिन्दी नाटक और रंगमंच

विभुराम मिश्र – प्रतिनिधि हिन्दी निबधंकार

रामचन्द्र तिवारी – हिन्दी के प्रतिनिधि निबंधकार

रामचन्द्र तिवारी – हिन्दी का गद्य साहित्य

विश्वनाथ प्रसाद तिवारी – छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य

17.12.19

17.12.2019

17.12.19

17/12/19

17.12.19

17/12

पाठ्यक्रम संख्या : UG_HLSEC01 पाठ्यक्रम : कम्प्यूटर, सोशल मीडिया और हिंदी

सेमेस्टर– 03 क्रेडिट : 4 पूर्णांक : 100

इकाई–1 कम्प्यूटर का विकास और हिंदी

कम्प्यूटर का परिचय और विकास

एमएसवर्ड, पेजमैकर, एक्सल

कम्प्यूटर में हिंदी का आरंभ और विकास

हिंदी के विविध फॉन्ट

कम्प्यूटर में हिंदी की चुनौतियां और संभावनाएं

इकाई–2 विज्ञान प्रौद्योगिकी और हिंदी भाषा

इंटरनेट की अवधारणा एवं सरोकार

इंटरनेट पर हिंदी

यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा

हिंदी, वेब डिजाइनिंग और वेबसाइट्स

इकाई–3 कम्प्यूटर, गवर्नेंस और हिंदी

ई–गवर्नेंस, ई–लर्निंग, ई–मार्केटिंग और हिंदी भाषा शिक्षण–प्रशिक्षण
हिंदी के विकास में कम्प्यूटर का योगदान, इंटरनेट और हिंदी पत्र–पत्रिकाएं, एसएमएस की हिंदी, न्यू मीडिया और हिंदी भाषा

इकाई–4 सोशल मीडिया और हिंदी

सोशल मीडिया की अवधारणा– स्वरूप और विकास

भाषा, समाज–संस्कृति और सोशल मीडिया (सामाजिक सरोकार, प्रभाव और आचार–संहिता)

इकाई–5 लोकतंत्र और सोशल मीडिया

लोकतांत्रिक प्रक्रिया और सोशल मीडिया की भूमिका

जनजागरूकता, जनआंदोलन, गवर्नेंस और सोशल मीडिया

बाजार, उपभोक्तावादी समाज, व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा और सोशल मीडिया

सहायक ग्रंथ:

कम्प्यूटर और हिंदी– हरिमोहन
कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग– विजयकुमार मल्होत्रा
हिंदी भाषा और कम्प्यूटर– संतोष गोयल
कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा–सिद्धांत– पीके शर्मा
मीडिया: भूमंडलीकरण और समाज– सं. संजय द्विवेदी
सोशल नेटवर्किंग: नए समय का संवाद–सं. संजय द्विवेदी
नए जमाने की पत्रकारिता– सौरभ शुक्ल
जनसंचार के सामाजिक संदर्भ– जबरीमल्ल पारख
जनसंचार और मास कल्चर– जगदीश्वर चतुर्वेदी
सोशल मीडिया और स्त्री– रमा
वर्चुअल रिएलिटी और इंटरनेट– जगदीश्वर चतुर्वेदी

17.12.19

17.12.19

17.12.19

17.12.19

17.12.19

पाठ्यक्रम संख्या : UG_HLSEC02 पाठ्यक्रम : भाषा, समाज और संस्कृति

सेमेस्टर– 04 क्रेडिट : 4 पूर्णांक : 100

इकाई–1 भाषा : अर्थ, स्वरूप और विकास

भाषा की परिभाषा एवं अभिलक्षण

हिंदी भाषा का विकास

भाषा, विचार और संस्कृति

इकाई–2 भाषा और समाज

भाषा और समाज का अंतःसंबंध

भाषा–व्यवस्था और भाषा–व्यवहार

भाषा का समाजशास्त्र

इकाई–3 भाषाई विविधता और भाषिक समुदाय

भाषा और समुदाय

भाषा और जाति

भाषा और जातीयता

द्विभाषिकता और बहुभाषिकता

इकाई–4 भाषा और सामाजिक–सांस्कृतिक सवाल

भाषा और वर्ग

व्यक्ति, समाज और भाषा वर्ग

भाषाई अस्मिता का सवाल

भाषा और जेण्डर का सवाल

इकाई–5 भाषा सर्वेक्षण और आधुनिक हिंदी

भाषा सर्वेक्षण: स्वरूप और प्रविधि

भाषा नमूनों का सर्वेक्षण और विश्लेषण

भाषा के नवीन प्रयोग और हिंदी भाषा

सहायक ग्रंथ:

दिलिप सिंह– हिंदी भाषा चिंतन
चंद्रधर शर्मा गुलेरी– पुरानी हिन्दी
किशोरीदास बाजपेयी– हिन्दी शब्दानुशासन
नामवर सिंह– हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान
सुनीति कुमार चटर्जी– भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी
श्रीराम शर्मा– दक्खिनी का गद्य और पद्य
डॉ शीतिकंठ मिश्रा– खड़ी बोली आन्दोलन
राहुल सांकृत्यायन– मातृ भाषाओं का प्रश्न (साहित्य निबंधावली)
– हिन्दी में पारिभाषिक शब्दों का निर्माण (निबंध)
रामविलास शर्मा– भाषा और समाज
–भारत की भाषा समस्या
डॉ धर्मवीर– हिन्दी की आत्मा
डॉ. इकबाल अहमद – दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक
राहुल सांकृत्यायन– दक्खिनी हिन्दी काव्यधारा

17.12.19

17-12-2019

17.12.19

17.12.19

17.12.19

17/12/19

पाठ्यक्रम संख्या : UG_HLSEC03 पाठ्यक्रम : कार्यालयी हिंदी और भाषा दक्षता

सेमेस्टर– 05 क्रेडिट : 4 पूर्णांकः 100

इकाई–1 कार्यालयी हिंदी : स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र

कार्यालयी हिंदी का अभिप्राय, उद्देश्य, क्षेत्र

सामान्य हिंदी एवं कार्यालयी हिंदीः साम्य–वैषम्य

कार्यालयी हिंदीः वर्तमान स्वरूप एवं संभावनाएं

इकाई–2 कार्यालयी हिंदीः प्रयुक्त शब्दावली एवं व्यावहारिक स्वरूप

कार्यालयी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली

कार्यालयः पदनाम, अनुभाग, संबोधन एवं निर्देश

इकाई–3 कार्यालयी हिंदीः विविध पत्राचार

ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, आदेश, सूचनाएं, निविदा

आवेदन लेखन, भर्ती हेतु विज्ञापन, टिप्पणी, प्रारूपण, संक्षेपण

इकाई–4 कार्यालयी हिंदी और भाषा–दक्षता

कार्यालयी हिंदी लेखन हेतु भाषा का ज्ञान–शब्दावली

भाषा दक्षताः अर्थ एवं महत्व, पठन एवं लेखन

इकाई–5 भाषा दक्षताः कारक तत्व, विकास एवं व्यावहारिक पक्ष

भाषा–व्यवहार (भाषिक प्रयोग एवं शैली)

शब्द–सामर्थ्यः सामान्य एवं तकनीकी शब्द

भाषण, समूह चर्चा, वार्तालाप, समीक्षा

17.12.19 17.12.19 17.12.19 17/12

17.12.19 17.12.19 17/12/19

सहायक ग्रंथ:

प्रयोजनमूलक हिंदी– माधव सोनटक्के
प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे
प्रयोजनमूलक हिंदी– विनोद गोदरे
प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी– कृष्णकुमार गोस्वामी
कम्प्यूटर एसिसटेड लैंग्वेज लर्निंग, मीडिया डिजाइन एंड एप्लीकेशंस– कीथ कैमेरॉन
भाषा शिक्षण– रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
जनमाध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य– जबरीमल्ल पारख

पाठ्यक्रम संख्या : UG_HLDSE01 पाठ्यक्रम : हिंदी में अनुवाद की प्रक्रिया और वैश्विक हिंदी
सेमेस्टर– 05 क्रेडिट : 6 पूर्णांक : 100

इकाई–1 अनुवाद की अवधारणा

अनुवाद : अर्थ और परिभाषा

अनुवाद का महत्व

अनुवाद का स्वरूप

अनुवाद के उपकरण–कोश ग्रंथ

अनुवाद प्रक्रिया

इकाई–2 प्रयुक्ति की अवधारणा और अनुवाद की संभावनाएं

प्रयुक्ति की अवधारणा और विविध क्षेत्र

विविध प्रयुक्ति क्षेत्रों से संबंधित सामग्री के अनुवाद की सामान्य समस्याएं

विभिन्न प्रयुक्ति क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली

अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएं

इकाई–3 अनुवाद व्यवहार

सर्जनात्मक साहित्य, ज्ञान–विज्ञान और तकनीकी साहित्य

जनसंचार, प्रशासनिक अनुवाद, बैंकिंग अनुवाद और विधि अनुवाद

इकाई–4 अनुवाद की प्रक्रिया और हिंदी

हिंदी में अनुवादः चुनौतियां और संभावनाएं

अनुवाद से हिंदी भाषा का संवर्द्धन

इकाई–5 हिंदी का वैश्विक स्वरूप

वैश्वीकरणः भाषा, समाज और साहित्य, हिंदी का वैश्विक स्वरूप: संप्रेषण एवं संवाद, अंतर्राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलनः जरूरत और भूमिका, 21वीं सदी में हिंदी की वैश्विक चुनौतियां

पाठ्यक्रम संख्या : UG_HLSEC04 पाठ्यक्रम : भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

सेमेस्टर– 06 क्रेडिट : 4 पूर्णांक : 100

इकाई–1 भाषा की परिभाषा, प्रकृत्ति, उद्देश्य

भाषा के अंग– ध्वनि, अर्थ, रूप, वाक्य, प्रोक्ति, भाषा और बोली

इकाई–2 संसार के भाषा परिवार– भाषा का वर्गीकरण, आकृतिमूलक वर्गीकरण, पारिवारिक वर्गीकरण

इकाई–3 भाषा विज्ञान– अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, भाषा विज्ञान का अन्य विषयों के साथ संबंधः इतिहास, संस्कृति, शरीर विज्ञान, भौतिकी

ध्वनि विज्ञान– हिंदी की ध्वनियां, स्वर–व्यंजन वर्गीकरण

इकाई–4 अर्थ विज्ञानः शब्द और अर्थ, अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं

हिंदी भाषा : उद्भव और विकास

हिंदी भाषा की बोलियां– खड़ीबोली का क्रमिक विकास

लिपि की अवधाराणा– देवनागरी लिपिः उद्भव और विकास

इकाई–5 भाषा की संरचना

कारक, लिंग, वचन, वाच्य, पद, निपात, शब्द–निर्माण, शब्दों के भेद

सहायक ग्रंथः

हिंदी भाषा का इतिहास– डॉ. धीरेन्द्र वर्मा

हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास– डॉ. उदयनारायण तिवारी

राष्ट्रभाषा हिंदीः समस्याएं एवं समाधान– डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा

आधुनिक भाषा विज्ञान– डॉ. राजमणि शर्मा

भाषा विज्ञान की भूमिका– देवेन्द्रनाथ शर्मा

भाषा और समाज– रामविलास शर्मा

सहायक ग्रंथ :

अनुवाद विज्ञानः सिद्धांत और अनुप्रयोग– नगेन्द्र
अनुवाद के सिद्धांत– रामालु रेड्डी
अनुवाद (व्यवहार से सिद्धांत की ओर)– हेमचंद्र पांडे
कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग– विजय कुमार मल्होत्रा
सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद– सुरेश सिंहल
अनुवाद और तत्काल भाषांतरण– विमलेश कांति वर्मा
प्रवासी हिंदी साहित्य– कमलकिशोर गोयनका
मॉरिशस का हिंदी साहित्य– वीरसिंह, जागा सिंह
फिजी का सर्जनात्मक साहित्य– विमलेशकांति वर्मा
फिजी में हिंदीः स्वरूप और विकास– विमलेशकांति वर्मा

17.12.19 17.12.19 17.12.19 17.12.19 17.12.19 17.12.19

पाठ्यक्रम संख्या : UG_HLDSE02 पाठ्यक्रम : आदिवासी कला, संस्कृति और समाज

सेमेस्टर– 05 क्रेडिट : 6 पूर्णांक : 100

इकाई–1 आदिवासी कला का दर्शन

आदिवासीः अर्थ और अवधारणा

कलाः अर्थ, भेद और स्वरूप

आदिवासी कलाः आशय और विशेषताएं

आदिवासी कला की वैचारिकी

इकाई–2 आदिवासी साहित्यः चिंतन और अवधारणा

आदिवासी चिंतन और दर्शन

आदिवासी साहित्य का आशय

आदिवासी साहित्य का दर्शन

आदिवासी साहित्य की वैचारिकी

इकाई–3 आदिवासी संस्कृति

संस्कृतिः अर्थ और आशय

आंदिवासी संस्कृतिः आशय एवं विशिष्टता

आदिवासी संस्कृति की वैचारिकी

आदिवासी संस्कृति संरक्षण का सवाल

इकाई–4 आदिवासी समाज

समाज की अवधारणा

आदिवासी समाजः संरचना, स्वरूप और विशेषताएं

आदिवासी समाजः अस्तित्व एवं अस्मिता का सवाल

इकाई–5 आदिवासी समाज का विकासः चुनौतियां एवं संभावनाएं

आदिवासी समाज की समस्याएं

भाषा, विकास का मॉडल, आर्थिक सवाल

जल, जंगल एवं जमीन का सवाल

भागीदारी का सवाल

सहायक ग्रंथ:

श्यामाचरण दुबे– मानव और संस्कृति
एल्विन वैरियर– द ट्राइबल आर्ट ऑफ मिडिल इण्डिया
बेनेडिक्ट रूथ– फोकलोर
बोआस फ्रेंज– प्रिमिटिव आर्ट
एमएन श्रीनिवास– आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन
टी बी बॉटमोर– समाजशास्त्र
गिओर्गी प्लेखानोव– कला के सामाजिक उद्गम

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या : UG_HLDSE03 पाठ्यक्रम : समकालीन अस्मितामूलक विमर्श

सेमेस्टर– 06 क्रेडिट : 6 पूर्णांक: 100

इस पाठ्यक्रम में निर्धारित रचना और रचनाकार के साहित्य सौन्दर्य का विमर्श के संदर्भ में आलोचनात्मक अध्ययन अपेक्षित है।

इकाई–1 समकालीन अस्मितामूलक विमर्श की अवधारणा

अस्मिता–अस्तित्व का सवाल, अधिकार और भागीदारी का प्रश्न, पितृसत्ता का सवाल, संपत्ति के अधिकार का सवाल, धर्म, सत्ता, भाषा, जल–जंगल और जमीन का सवाल, सांप्रदायिकता का सवाल, अल्पसंख्यक बनाम बहुसंख्यक का प्रश्न, समतामूलक–समाज एवं राष्ट्र–निर्माण का विजन (फुले–अम्बेडकर, बिरसा–जयपाल सिंह मुंडा, नारीवाद एवं अन्य परिवर्तनकामी वैचारिकी के संदर्भ में)

इकाई–2 दलित विमर्श

आत्मकथा : मुर्दहिया– तुलसीराम

कहानी : नो बार, बिट्टन मर गई– जयप्रकाश कर्दम, अपना गांव, कर्ज– मोहनदास नैमिशराय, सिलिया– सुशीला टाकभौरे, गणतंत्र के नायक– अजमेर सिंह काजल

कविता : प्रेमशंकर– अम्बेडकर की मूर्त्ति, हमारा युद्ध; मलखान सिंह– सुनो ब्राह्मण, अंधड; एन. सिंह– सतहसे उठते हुए, आदमी चुनाव और भाषण; रजनी तिलक– औरत औरत में अंतर, वजूद है, तुम्हारी आस्थाओं ने, शिकस्त, बुद्ध चाहिए युद्ध नहीं

इकाई–3 आदिवासी विमर्श

कहानी : वाल्टर भेंगरा 'तरूण'– श्वेत–श्याम दर्द, रोज केरकेट्टा– लोहार का, केदारप्रसाद मीणा–कामरेड मीणा, रणेन्द्र– सरेन्डर जतरा, शेखर मल्लिक–डायनमारी

कविता : वाहरू सोनवणे– बंदूक की नीत, जिंदा परछाई; ग्रेस कुजुर– कलम को तीर होने दो, हे समय के पहरेदारों

आदिवासी गीतः (बैगा लोकगीत) – गजरत गनमन घटा घोर, तोर हर नाना तोरे हर न, चुरा–मरा, चुरा–मुरा हरदा पिसान रे

नाटकः धरती आबा– हृषिकेश सुलभ–

इकाई–4 स्त्री विमर्श

निबंध : महादेवी वर्मा– स्त्री के अर्थ–स्वातंत्र्य का प्रश्न

कविता : कीर्ति चौधरी– सीमा रेखा, राजी सेठ– मैं स्त्री हूं; कात्यायनी– सात भाइयों के बीच चम्पा, सविता सिंह– मैं किसकी औरत हूं, हेमलता महीश्वर– नील नीलेरंग

इकाई– 5 अल्पसंख्यक विमर्श

कहानी: असगर वजाहज– जख्म, नासिरा शर्मा– सरहद के इस पार, अब्दुल बिस्मिलाह – ग्राम सुधार

उपन्यास: मंजूर एहतेशाम– सूखा बरगद

सहायक ग्रंथ :

- महात्मा ज्योतिबा फुले रचनावली (1,2)–अनु एवं सं. – डॉ. एल जी मेश्राम 'विमलकीर्ति'
- डॉ. अम्बेडकर– संपूर्ण वाङ्मय
- ओमप्रकाश वाल्मीकि– दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र
  –मुख्यधारा और दलित साहित्य
  –दलित साहित्यः अनुभव, यथार्थ और संघर्ष
- शरणकुमार लिंबाले– दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र
- प्रो.टीवी कट्टीमनी– दलित साहित्य का सामाजिक विज्ञान
- प्रो. वी कृष्णा– भारतीय कविता कठघरे के बीच
  – भारतीय दलित साहित्य
- राम चंद्र– दलित साहित्यः आशय, अवधारणा और आंदोलन
- प्रवीण कुमार– दलित साहित्य का सौन्दर्यबोधः चिंतन और प्रक्रिया
- जयप्रकाश कर्दम– दलित विमर्शः साहित्य के आईने में
- कंवल भारती – दलित विमर्श की भूमिका
  – दलित साहित्य की अवधारणा
  – दलित कविता का आत्म संघर्ष
- डॉ. चंद्र कुमार वरठे– दलित साहित्य आंदोलन
- अजय कुमार (सं.) – दलित पैंथर आंदोलन
- डॉ. विमल थोरात– मराठी दलित कविता और साठोत्तरी हिन्दी कविता में सामाजिक और राजनीतिक चेतना
  – दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर
- डॉ. तेजसिंह – आज का दलित साहित्य
- चमनलाल (सं.)– दलित और अश्वेत साहित्य : कुछ विचार
- पुरूषोत्तम अग्रवाल– संस्कृत : वर्चस्व और प्रतिरोध
- डॉ. पुरूषोत्तम सत्यप्रेमी – दलित साहित्य और सामाजिक न्याय
- ईशकुमार गंगनिया– अम्बेडकरवादी साहित्य विमर्श
- डॉ. एन सिंह – मेरा दलित चिंतन
  – दलित साहित्य के प्रतिमान
- श्यौराज सिंह 'बेचैन'– चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य

17.12.19 17.12.19 17.12.19 17.12.19 17.12.19

पाठ्यक्रम संख्या : UG_HLDSE04 पाठ्यक्रम : **लोकसाहित्य**

सेमेस्टर– 06 क्रेडिट : 6 पूर्णांक : 100

इकाई– 1 लोकसाहित्य की अवधारणा

लोक साहित्यः परिभाषा और विशेषताएं

लोक, लोकवार्ता, लोकसंस्कृति और लोक साहित्य

इकाई–2 लोक साहित्य का संकलन

लोकसाहित्य के संकलन की समस्याएं, हिंदी लोक साहित्य– ब्रज, अवधी, भोजपुरी, मगही, मालवी, बघेली, छत्तीसगढ़ी, दलित लोकगीत, आदिवासी लोकगीत

इकाई–3 लोकगीतः मौखिक और लिखित

संस्कार गीतः सोहर, विवाह

सोहर– भोजपुरी संस्कार गीत– श्री हंसकुमार तिवारी– बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, गीत संख्या– 04
अवधी–हिंदी प्रदेश के लोकगीत– कृष्णदेव उपाध्याय– साहित्य भवन इलाहाबाद–पृ. 110

विवाह– भोजपुरी भारतीय लोक साहित्यः परंपरा और परिदृश्य– विद्या सिंहा, पृ. 116

ऋतुगीत संबंधी गीत– बारहमासा, होली, चैती, कजरी इत्यादि

श्रमगीत– कटनी, जंतसरी, दंवनी, रोपनी इत्यादि

कटनी– हिंदी प्रदेश की लोकगीत– कृष्णदेव उपाध्याय, पृ. 134–135

जंतसरी– भोजपुरी भारतीय लोकसाहित्य परंपरा और परिदृश्य– विद्या सिंहा

विविध गीतः घुघुति–कुमाउंनी, कविता कौमुदीः ग्रामगीत, रामनरेश त्रिपाठी, पृ. 802–03

इकाई–4 लोककथाएं एवं लोकगाथाए

सामान्य परिचय, प्रसिद्ध लोक कथाओं एवं लोकगाथाओं – आल्हा, लोरिक, सारंगा–सदावृक्ष, बिहुला

इकाई–5 लोकनाट्यः अवधारणा, स्वरूप और इतिहास

लोकनाट्य– रामलीला, रासलीला, सांग, ख्याल, माच, बिदेसिया एवं नौटंकी

17.12.19 17.12.19 17.12.19 17.12.19

सन्दर्भ ग्रन्थ

हिंदी प्रदेश के लोकगीत– कृष्णदेव उपाध्याय
हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास– पं. राहुल सांकृत्यायन सोलहवां भाग
भारतीय लोकसाहित्य : परंपरा और परिदृश्य– विद्या सिंहा
कविता कौमुदी– ग्रामगीत– रामनरेश त्रिपाठी
लोकसंस्कृति की भूमिका– कृष्णदेव उपाध्याय
लोकसाहित्य– श्याम परमार
लोकसाहित्य का अध्ययन– त्रिलोचन पांडेय
लोकसाहित्य और लोकस्वर– विद्यानिवास मिश्र
आदिवासी लोकगीत– भंवरलाल मीणा
लोकगीतों में दलित चेतना– माताप्रसाद
बैगा लोकगीत– अर्जुन सिंह धुर्वे

पत्रिका:
मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका– चौमासा
समसमायिक सृजन का लोकविशेषांक

17.12.19